हिन्दुस्तान

## एससीआर के विकास के लिए देश-विदेश की कंपनियों को न्योता

# नामचीन कंपनियां तैयार करेंगी राज्य राजधानी क्षेत्र

**अच्छी खबर** 1

**लखनऊ, प्रमुख संवाददाता।** उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन (राज्य राजधानी क्षेत्र) का प्लान जियोग्राफिक इन्फार्मेशन सिस्टम (जीआईएस) आधारित होगा। इसे देश विदेश की बड़ी कम्पनियां बनाएंगी। कम्पनी के चयन के लिए एलडीए ग्लोबल टेण्डर करा रहा है। इसके लिए गठित उच्च स्तरीय कमेटी ने 19 अगस्त को बैठक में इसकी मंजूरी दे दी। कम्पनी आठ जिलों का जीआईएस आधारित 34 हजार वर्ग किमी का डेवपलपमेंट प्लान बनाएगी।

लखनऊ, कानपुर, कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर और हरदोई को शामिल कर एनसीआर की तर्ज पर एससीआर बनाया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसकी जिम्मेदारी एलडीए को सौंपी गई। शासन की 10 सदस्यीय समिति की बैठक में प्लान तैयार कर आरएफपी टेण्डर कराने का फैसला हुआ।

**34000**

**वर्ग किमी क्षेत्र के विकास के लिए लिए जिम्मेदार कंपनियां बनाएंगी खाका, टेण्डर की तैयारी**

### सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएगी

लखनऊ में आबादी का दबाव घटाने के लिए लखनऊ आसपास के शहरों में छोटी छोटी स्मार्ट और सेटेलाइट टाउनशिप विकसित होंगी। इससे वहां भी लोग अच्छी सुविधाओं के साथ रह सकेंगे। एससीआर के इन शहरों में भी विभागों के बड़े बड़े कार्यालय शिफ्ट किए जाएंगे, ताकि लोग इन शहरों में रहने के लिए आकर्षित हो सकें। इन शहरों में इण्डस्ट्री भी स्थापित की जाएंगी।

**2047 तक के लिए प्लानिंग:** एससीआर के आठों जिलों को मिलाकर 34 हजार वर्ग किमी क्षेत्र के विकास का खाका तैयार होगा। इसकी प्लानिंग वर्ष 2047 तक के लिए है। 24 वर्षों में इन आठ जिलों को मिलाकर एससीआर बनेगा। इन वर्षों में यहां क्या क्या और किस तरह का विकास होगा इसकी पूरी प्लानिंग होगी।

**मोबिलिटी, रोड ट्रांसपोर्ट का बड़ा नेटवर्क बनेगा:** एलडीए की प्लानिंग के तहत इन 24 वर्षों में एससीआर में मोबिलिटी, रोड ट्रांसपोर्ट का बड़ा नेटवर्क बनेगा। इन जिलों को राजधानी से जोड़ने के लिए नए एक्सप्रेस वे, शहरों में आउटर रिंग रोड बनेंगे। एससीआर में शामिल शहरों को भी मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।